Q.P. Code – 68302

Third Semester B.C.A. Degree Examination, October/November 2019

(CBCS – Semester Scheme)

Hindi Language

Paper III – NATAK, YUGE-YUGE KRANTI NIBANDH AUR SANKSHEPAN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 90*

I. एक शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. 'युगे युगे क्रान्ति' नाटक के नाटककार कौन हैं?
2. देवी प्रसाद की बेटी की क्या नाम है?
3. प्यारे लाल किस सामाजिक सुधार का समर्थक है?
4. सूत्रधार किसकी खोज में निकला है?
5. विमल किस जाति का है?
6. सुरेखा किसकी बहन है?
7. सूत्रधार सर्व प्रथम किससे मिलता है?
8. प्रदीप किससे शादी करना चहता है?
9. शारदा की बेटी का मान बताइए?
10. धर्म किसके हाथो में हैं?

SREE SIDDAGANGA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE FOR WOMEN ★ TUMKUR. LIBRARY & INFORMATION CENTRE Page No .... Date ....

II. किन्हीं **तीन** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(3 × 7 = 21)**

1. क्यों मज़ाक करते हो सूत्रधार जी? क्या कभी आपनी पत्नी का मूँह देखना भी पाप समझा जाता रहा हैं?
2. वह बहुत पहुँचा हुआ योगी है। मैंने उसके दर्शन किए हैं।
3. लेकिन मैं फिर आपसे कहता हूं कि आप चली जाएँ। आप स्त्रियों हैं। आपको घरों में रहना चाहिए।
4. ओह विमल, तुम्हारे, पिताजी कितने अच्छे है उनहें जात-पातं, प्रातं, किसी बात की चिन्ता नहीं।

III. 'युगे युगे क्रांति' नाटक के तत्वों के आधार पर नाटककार समाज को क्या संदेश देना चाहता है? **(1 × 15 = 15)**

(अथवा)

'युगे युगे क्रांति' नाटक के आधार पर शारदा पात्र का चरित्र– चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **(3 × 6 = 18)**

1. विमल
2. प्रदीप
3. देवीप्रसाद
4. रामकलि

V. किन्हीं **दो** पर निबन्ध लिखिए। **(2 × 8 = 16)**

1. आज का समाज और नैतिकता
2. भारत में परमाणु परीक्षण
3. आधुनिक संचार क्रांति

VI. उचित शीर्षक देते हुए, एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

धन का व्यय विलास में करने से केवल क्षणिक आनंद की प्राप्ति होती है। यह धन का दुरूपयोग है, किन्तु धन का सदुपयोग सुख और शान्ति देता है। धन के द्वारा जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य हो सकता है। वह हैं, परोपरार! भूखो को अन्न, नंगो को वस्त्र रोगियों को दवा, आनाथो को घर द्वार, विद्यार्थियों के लिए पाठ शालाएँ आदि वस्तुएँ धन के द्वारा जुटाई जा सक्ति है! धन के कारण अमीर आदमी को लोगों की भलाई करने के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं जो कि एक गरीब आदमी को उपलब्द नहीं है। पर संसार में ऐसे अमीर आदमी बहुत ही कम हैं जो अपना भोग–विलास त्याग कर अपने धन को परोपकार में लगाते हैं।।